M.A. Sem-II Paper - CC-VIII 01

अभिलेखी प्राकृत

इकाई-2

Q.1 (02) अशोक का एक से सप्तम स्तम्भ लेख का परिचय एवं सारांश दें.

Ans- मौर्य-सम्राट अशोक ने अपने धर्म के प्रचार के लिए जो पाषाण स्तम्भ बनवाए थे, तथा जिस पर अभिलेख उत्कीर्ण करवाए थे उन्हें स्तम्भ लेख के नाम से पुकारा जाता है।

अशोक का एक से सप्तम स्तम्भ लेख इस प्रकार के हैं

(1) दिल्ली-टोपरा स्तम्भ → यह स्तम्भ हल्के गुलाबी रंग के बलुआ पत्थर से निर्मित है। यह मूलतः अम्बाला जिले में यमुना के किनारे टोपरा नामक स्थान पर था 1356 ई० में दिल्ली के सुलतान फीरोज तुगलक ने वहाँ से उठाकर दिल्ली लाया और आजकल यह फिरोजशाह कोटला के अहाते में खड़ा है। यह भीमसेन की लाट फिरोजशाह की लाट आदि नामों से प्रसिद्ध है इस स्तम्भ लेख की ऊँचाई 42 फुट 7 इंच है। इस पर अशोक के सात लेख मिलते हैं, जिनमें प्रथम छः तो अन्य स्थलों पर प्राप्त पाँच स्तम्भों पर भी मिलते हैं, सातवाँ केवल इसी पर उत्कीर्ण मिला है।

(2) दिल्ली मेरठ-स्तम्भ → यह स्तम्भ उत्तर प्रदेश के मेरठ नगर के समीप स्थित था। वहाँ से उठाकर इसे भी फीरोजशाह तुगलक दिल्ली ले आया और कौशक शिकार महल के सामने खड़ा।

PTO

कराया। अठारहवीं शती के आरम्भ में आग लग जाने के कारण यह स्तम्भ पाँच टुकड़ों में विभाजित हो गया। इसके बाद फीरोज शासन-काल में इसे जोड़कर दिल्ली विश्वविद्यालय के निकट जीतगढ़ नामक स्थान में रखा गया। इसका एक खण्ड ब्रिटिश म्यूजियम में है।

(3) इलाहाबाद-कौशाम्बी-स्तम्भ → विद्वानों का मत है कि यह स्तम्भ मूलतः कौशाम्बी में स्थित था। वहाँ से मुसलमानी शासन-काल में किसी समय उठाकर इलाहाबाद लाया गया और अब वहाँ के किले में स्थित है।

(4) लौरिया-अरेराज-स्तम्भ → यह स्तम्भ भी अपने मूलरूप में बिहार राज्य के चम्पारण जिले में रक्सिया नामक गाँव के समीप अरेराज नामक स्थान खड़ा है।

(5) लौरिया-नन्दनगढ़-स्तम्भ → यह स्तम्भ भी अपने मूल रूप में चम्पारण जिले के मठिया नामक ग्राम के निकट स्थित है।

(6) रामपुरवा-स्तम्भ → यह स्तम्भ भी चम्पारण जिले के रामपुरवा नामक स्थान से प्राप्त हुआ है। आजकल यह अपने मूल स्थान पर खड़ा न होकर गिरा हुआ है। इस स्तम्भ पर सिंह शीर्ष था। यह स्तम्भ उस स्तम्भ से भिन्न है जिस पर वृषभशीर्ष मिला है।

(7) दिल्ली-टोपरा स्तम्भ - इनके अतिरिक्त दिल्ली-टोपरा स्तम्भ पर सातों अभिलेख पाया जाता है। ये सात अभिलेख सप्त स्तम्भलेख या सुख्य स्तम्भलेख के नाम से प्रसिद्ध है।